HINDUSTAN, Delhi, 2.8.2017
Page No. 1, Size:(9.67)cms X (14.66)cms.

'आधार' के जरिये खोया बच्चा मिला

नई दिल्ली। लोगों की विशिष्ट पहचान कराने वाला 'आधार' खोए बच्चों को ढूंढ़ने में भी मददगार साबित हो रहा है। बशर्ते की बच्चे का आधार पंजीकरण हो चुका हो। इसी तरह तीन साल पूर्व खोया बच्चा गौरव आधार की बदौलत मां-बाप से मिल सका है। ब्योरा पेज 12

तीन साल पहले खोया बच्चा 'आधार' से मिला

नई दिल्ली। लोगों की विशिष्ट पहचान कराने वाला 'आधार' खोए बच्चों को ढूंढ़ने में भी मददगार साबित हो रहा है। बशर्ते की बच्चे का आधार पंजीकरण हो चुका हो। इसी तरह तीन साल पूर्व खोया बच्चा गौरव आधार की बदौलत अपने मां-बाप से मिल सका है।

विशिष्ट पहचान पत्र प्राधिकरण (यूआईडीएआई) की तरफ से दी गई सूचना में कहा गया है कि यूआईडीएआई के दिल्ली कार्यालय की टीम दिल्ली के अनाथालय में रह रहे बच्चों का आधार कार्ड बनाने के लिए गई थी।

एक बच्चे की अंगुलियों और पुतलियों के निशान जब लिए जा रहे थे तो कंप्यूटर ने उसे स्वीकार नहीं किया, क्योंकि उसके निशान पहले से वहां मौजूद थे। उसका आधार पंजीकरण हो चुका था, जिसमें उसका नाम, पिता का नाम-पता लिखा था। बच्चे को तीन साल पूर्व सलाम बालक ट्रस्ट ने अनाथालय को सौंपा था। आधार के रिकॉर्ड की मदद से परिजन मिल गए। बच्चे का नाम गौरव, उसके पिता का नाम विकास और मां का नाम गीता है। वे पानीपत की इंदिरा कॉलोनी में रहते हैं। तीन साल पूर्व यह बच्चा घर के बाहर खेल रहा था और अचानक गायब हो गया था। **(वि.सं.)**